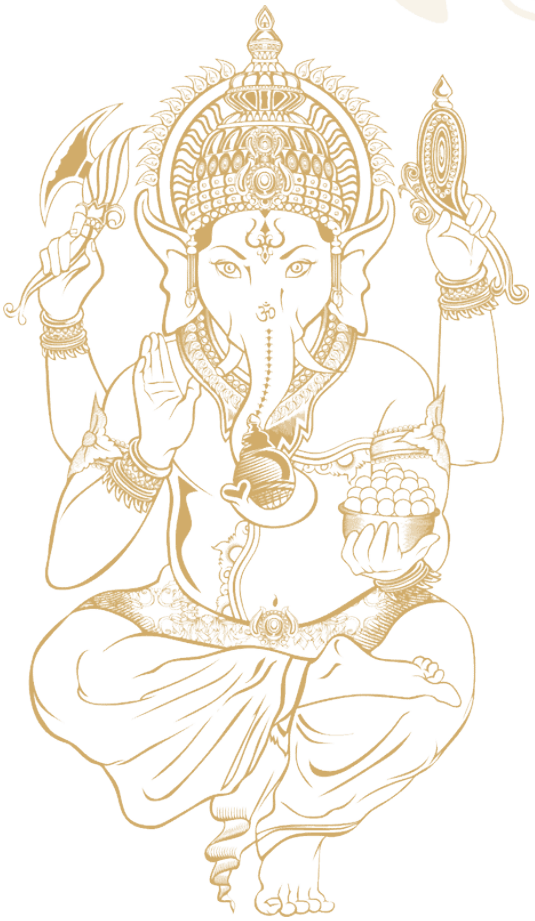

P

29 Aug 1991

06:30 AM

Hamirpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121957405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/08/1991**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	01:22:40 घटी
स्थान	**Hamirpur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:38:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:06:24 घंटे
वेलान्तर	-00:01:07 घंटे
साम्पातिक काल	04:33:22 घंटे
सूर्योदय	05:56:55 घंटे
सूर्यास्त	18:51:54 घंटे
दिनमान	12:54:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:28:15 सिंह
लग्न के अंश	17:40:31 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:40:31	308:15:30	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	---
सूर्य			सिंह	11:28:15	00:57:57	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	24:40:02	13:09:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	04:10:42	00:38:27	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध	व		कर्क	29:44:54	00:20:15	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु		अ	सिंह	03:11:39	00:13:03	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	01:47:02	00:33:06	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	07:31:34	00:03:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	स्वराशि
राहु	व		धनु	24:05:07	00:06:58	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	24:05:07	00:06:58	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:16:41	00:01:02	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		धनु	20:27:12	00:00:52	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	24:05:27	00:01:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			वृष	16:14:25	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:43

लग्न-चलित

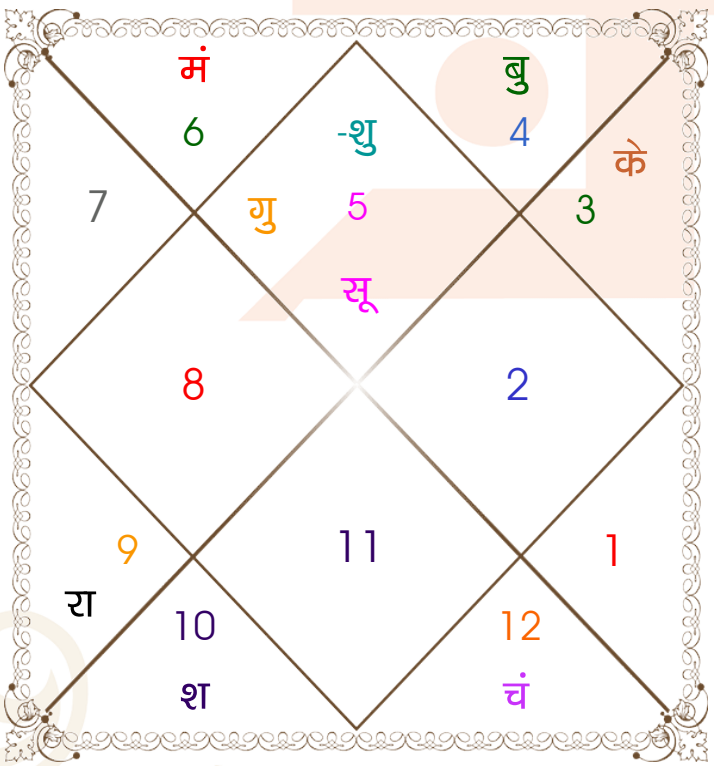

चन्द्र कुंडली

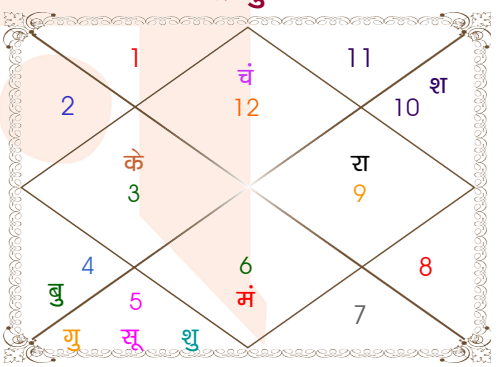

नवमांश कुंडली

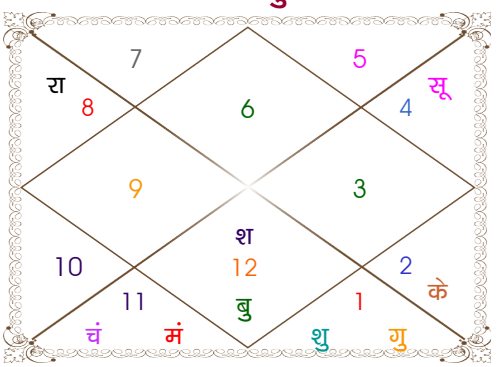

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 9 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/08/1991		16/06/1998		16/06/2005		16/06/2025		16/06/2031	
16/06/1998		16/06/2005		16/06/2025		16/06/2031		16/06/2041	
	00/00/0000	केतु	12/11/1998	शुक्र	15/10/2008	सूर्य	03/10/2025	चंद्र	16/04/2032
	00/00/0000	शुक्र	12/01/2000	सूर्य	16/10/2009	चंद्र	04/04/2026	मंगल	15/11/2032
	00/00/0000	सूर्य	19/05/2000	चंद्र	16/06/2011	मंगल	10/08/2026	राहु	17/05/2034
	00/00/0000	चंद्र	18/12/2000	मंगल	16/08/2012	राहु	05/07/2027	गुरु	16/09/2035
	00/00/0000	मंगल	16/05/2001	राहु	16/08/2015	गुरु	22/04/2028	शनि	16/04/2037
	29/08/1991	राहु	04/06/2002	गुरु	16/04/2018	शनि	04/04/2029	बुध	15/09/2038
राहु	01/07/1993	गुरु	11/05/2003	शनि	16/06/2021	बुध	08/02/2030	केतु	17/04/2039
गुरु	07/10/1995	शनि	19/06/2004	बुध	16/04/2024	केतु	16/06/2030	शुक्र	15/12/2040
शनि	16/06/1998	बुध	16/06/2005	केतु	16/06/2025	शुक्र	16/06/2031	सूर्य	16/06/2041

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/06/2041		16/06/2048		16/06/2066		16/06/2082		17/06/2101	
16/06/2048		16/06/2066		16/06/2082		17/06/2101		00/00/0000	
मंगल	12/11/2041	राहु	27/02/2051	गुरु	03/08/2068	शनि	19/06/2085	बुध	14/11/2103
राहु	01/12/2042	गुरु	22/07/2053	शनि	15/02/2071	बुध	27/02/2088	केतु	10/11/2104
गुरु	06/11/2043	शनि	28/05/2056	बुध	23/05/2073	केतु	07/04/2089	शुक्र	11/09/2107
शनि	15/12/2044	बुध	16/12/2058	केतु	28/04/2074	शुक्र	07/06/2092	सूर्य	17/07/2108
बुध	12/12/2045	केतु	03/01/2060	शुक्र	27/12/2076	सूर्य	20/05/2093	चंद्र	17/12/2109
केतु	11/05/2046	शुक्र	03/01/2063	सूर्य	16/10/2077	चंद्र	19/12/2094	मंगल	14/12/2110
शुक्र	11/07/2047	सूर्य	28/11/2063	चंद्र	15/02/2079	मंगल	28/01/2096	राहु	30/08/2111
सूर्य	16/11/2047	चंद्र	29/05/2065	मंगल	22/01/2080	राहु	04/12/2098		00/00/0000
चंद्र	16/06/2048	मंगल	16/06/2066	राहु	16/06/2082	गुरु	17/06/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।